एक नजर में

जिले के अंतर्गत स्थानीय अवकाश घोषित

धार, । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने वर्ष 2026 के लिए धार जिले की सीमा क्षेत्र हेतु विभिन्न पर्व/त्यौहारों के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने का आदेश जारी किया है। आदेश के तहत 8 सितंबर 2026 को भगवान शंकर की शाही सवारी का दूसरे दिन केवल बदनावर तहसील के लिये स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इसी प्रकार 19 अक्टूबर 2026 को महानवमी को तहसील बदनावर को छोडकर सम्पूर्ण धार जिले के लिये, 21 अक्टूबर 2026 को दशहरा का दूसरा दिन सम्पूर्ण धार जिले के लिये तथा 11 नवम्बर 2026 को भाईदुज के पर्व पर सम्पूर्ण धार जिले के लिये स्थानीय अवकाश घोषित किया है। उक्त स्थानीय अवकाश बैंक एवं कोषालय, उप कोषालय पर लागू नहीं होगे। साथ ही जिन शैक्षणिक संस्थाओं की उक्त तिथियों में परीक्षाएं नियत है, उन पर भी यह अवकाश प्रभावशील नहीं रहेंगा।

एक अपराधी जिला बदर एवं 3 अपराधियों को सप्ताह में एक दिवस संबंधित थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराये जाने के आदेश जारी

धार, । जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने विभिन्न अपराधिक गतिविधियों में संलग्न होने पर जिले के एक अपराधी जितेन्द्र पिता आमेप्रकाश निवासी धरमराय रोड डही थाना डही को 3 माह की कालावधि के लिये धार जिला एवं उससे लगे सीमावृत्ति जिले इन्दौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, ब?वानी, खरगोन एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से बाहर चले जाने का निष्कासन आदेश जारी किया है। इसी प्रकार सागर पिता राधेश्याम परमार निवासी डिस्लरी रोड फॉरेस्ट ऑफिस के पास गंजीखाना, धार, गौरव उर्फ गोलु उर्फ बच्चा पिता सुरेश शर्मा निवासी मालवा कुन्ज कॉलोनी सेजवाया थाना पीथमपुर एवं विजय पिता चेनसिंह सोलंकी निवासी अम्बिका कॉलोनी घाटाबिल्लौद थाना पीथमपुर को 3-3 माह तक सप्ताह में एक दिवस जो थाना प्रभारी द्वारा निश्चत किया जाये, सदाचार बनाये रखने हेतु अपनी उपस्थिति संबंधित थाने में दर्ज कराये जाने के आदेश दिये है।

आदिवासी अंचल में धर्मांतरण कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की हॉस्टल अधीक्षिका बबीता डाबी पर लगा आरोप

झाबुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा आवासीय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास रोटला रामा जिला झाबुआ की अधीक्षिका बबीता डाबी के खिलाफ लामबंद होकर डीआरपी लाइन स्थित अंबेडकर पार्क से रैली के रूप में कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें हॉस्टल अधीक्षिका बबीता डाबी पर बालिकाओं को दबाव बनाकर धर्मांतरण करवाने का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन के साथ हॉस्टल अधीक्षिका के विरुद्ध मय साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए है। सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अनुसूचित जनजाति आवासीय कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास अधीक्षिका बबीता डाबी द्वारा छात्रावास में नाबालिक बालिकाओं को धर्मांतरण हेतु दबाव बनाया जाता है एवं जबरन उनकी इच्छा के विरुद्ध छात्राओं को यीशू मसीह की प्रार्थना करवाना एवं बाइबिल पढ़ने पर मजबूर किया जा रहा है। छात्राओं द्वारा ऐसा नहीं करने पर हॉस्टल से निकालने की धमकी दी जाती है। इस तरह छात्राओं को मानसिक रूप से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। जिसके चलते 10 से 12 छात्राओं ने हॉस्टल में आना भी छोड़ दिया है। हॉस्टल अधीक्षिका का यह कृत्य घोर निंदनीय है एवं आपराधिक श्रेणी के अंतर्गत आता है तथा धार्मिक स्वतंत्रता का भी हनन है। शासकीय कर्मचारी द्वारा बलपूर्वक एवं प्रलोभन देकर धर्मान्तरण करवाए जाने से छात्राओं की भावनाओं को लगातार ठेस पहुंच रहा है। ज्ञापन में छात्रवास अधीक्षिका बबीता डाबी पर वैधानिक एवं सख्त कार्रवाई कर तत्काल अधीक्षक के पद से भी निलंबित करने की मांग की गई, अन्यथा संपूर्ण हिंदू समाज एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् इस मामले में उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन सौंपते समय अभाविप जिला संयोजक अमित चौहान, छात्र नेता पवन परमार, कापसिंह भूरिया, अभय वाखला सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का हुआ समापन

पारा। श्री पृथ्वीराजेश्वर महादेव मंदिर के नवनिर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा समापन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी । हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय बना द्य कथा में हनुमंत निवास आश्रम पीपलखूटा धाम के महंत श्री दयाराम दास जी महाराज (दाडकी वाले बाबा) एवं राम कथा वक्ता पंडित अशोक जी पाठक (खातेगांव) पधारे, जिनका समिति द्वारा स्वागत-वंदन किया गया। संतों ने धर्म, भक्ति और संस्कारों का महत्व बताते हुए श्रद्धालुओं को सत्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। व्यास पीठ पर पंडित श्री मयंक जी शर्मा ने शिव महापुराण का सरल एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए माता सती, शिव-पार्वती विवाह, कार्तिकेय एवं गणेश जन्म के प्रसंग साथ बारह ज्योतिर्लिंग व उनके उपलिंग की कथा विस्तार सुनाई। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण के श्रवण-पाठ से पापों का नाश होता है और भगवान शिव की सच्ची आराधना से मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा के समापन पर सभी संत कथा वाचक पंडित एवं साज वादक का शाल श्रीफल से दक्षिणा देकर सम्मान किया द्य कथा समापन के पश्चात रुद्राभिषेक हवन पूजन कर भंडारे का आयोजन किया गया जो की देर रात्री तक चला जिसमे नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल के भक्तो ने महाप्रसादी का लाभ लिया द्य शिव महापुराण कथा आयोजन सर्व हिन्दू समाज एवं श्री पृथ्वीराजेश्वर महादेव मंदिर भक्त मंडल पारा के तत्वावधान मे जिसमें नगरवासियों का सराहनीय सहयोग रहा है।

किसान से साढ़े छह लाख की ऑनलाइन ठगी

इंदौर . सिमरोल क्षेत्र में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां अज्ञात ठगों ने फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए एक व्यक्ति के बैंक खाते से करीब साढ़े छह लाख रुपए निकाल लिए . 55 वर्षीय पीड़ित केदारसिंह धाकड़ निवासी सिमरोल की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है . पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसके मोबाइल पर ओटीपी और ट्रांजेक्शन से जुड़े 30-40 मैसेज आए, जिसके बाद आईडीबीआई बैंक के खाते से 6 लाख 87 हजार 649 रुपए कटने की जानकारी मिली .

कलेक्टर की जनसुनवाई में 82 आवेदन प्राप्त हुए

▶ **कलेक्टर द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एक आवेदक को ?5,000 की सहायता राशि प्रदान**

धार, । प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा कुल 82 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में सफाई व्यवस्था, अवैध भूमि कब्जा, पेंशन प्रकरण, दिव्यांगजन सहायता, रोजगार, राजस्व, नगर परिषद/नगर पंचायत, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं शामिल रहीं। सफाई व्यवस्था एवं अतिक्रमण से जुड़े प्रकरणों पर कलेक्टर द्वारा संबंधित नगरीय निकायों एवं राजस्व विभाग को मौके पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर आवेदक श्री जगदीश पंवार को स्वास्थ्य उपचार हेतु जिला रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से ?5,000 की आर्थिक सहायता का चेक मौके पर ही प्रदान किया। वहीं दिव्यांगजन जितेंद्र नर्गिस के प्रकरण में उन्हें उपयुक्त रोजगार उपलब्ध कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पेंशन से संबंधित आवेदनों पर सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग को शीघ्र परीक्षण कर पात्रता अनुसार लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी इस दिशा में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर संजीव कुमार पांडये सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

डही शासकीय अस्पताल में नवीन विद्युत ट्रांसफार्मर का निरीक्षण

डही । विधायक सुरेंद्र सिंह हनी बघेल की विधायक निधि से स्वीकृत विद्युत ट्रांसफार्मर के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण ब्लॉक कॉंग्रेस एंव नगर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया ठेकेदार से चर्चा कर शिघ्र ही डीपी चालू करने की बात हुई व कार्य की प्रगति देख कार्यकर्ता संतुष्ट हुए ठेकेदार ने बताया कि डीपी का टेस्ट आज कर दिया जाएगा विद्युत विभाग को सुपुर्द कर शिघ्र ही विद्युत सप्लाई चालु कर दिया जाएगा साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने अस्पताल का निरीक्षण भी किया व उपस्थित मरिजो से स्वास्थ्य को लेकर हालचाल जाने एक्सरे मशीन का भी निरीक्षण किया एक्सरे डाक्टर ने बताया कि डिजिटल मशीन लग जाए तो साफ जाच रिपोर्ट मे मदद मिलेगी। डाक्टर अहिरवाल ने चर्चा मे बताया कि यहा मरिजो को कंबल की आवश्यक है उन्होंन अपनी ओर से 10 कंबल देने की बात कही है इसके पूर्व मे क्षेत्रीय विधायक एंव पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेन्द्र सिंह हनी बघेल ने डही क्षेत्र की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओ की पूर्ति हेतू अपनी निधि से विद्युत ट्रांसफार्मर स्वीकृत कर भूमि पूजन किया था विधायक द्वारा समय-समय पर क्षेत्रीय जनता के स्वास्थ्य लाभ का ध्यान रखते हुए पूर्व मे विधायक निधि से मेडिसिन भी देते रहे है आज पुनःविधायक जी के निर्देश पर ब्लाक कॉंग्रेस एंव नगर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओ द्वारा अस्पताल का निरीक्षण किया । उपस्थित कार्यकर्ताओ द्वारा ब्लड टेस्ट एंव बीपी की जांचे भी करवाई इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि राकेश नोरके, ब्लॉक कॉंग्रेस अध्यक्ष बालूभाई चोंगड, नगर विधायक प्रतिनिधि अब्दुल्ला बोहरा,नगर कांग्रेस अध्यक्ष नारायण माहेश्वरी,पुर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजेन्द्र डावर, बहादुर वर्मा,जनपद सदस्य भिकुसिंह चौहान, अशोक कुमरावत, महेन्द्र कोकजे,पार्षद मन्याभाई ठेकेदार, जितेंद्र खरते, मंजु दिनेश मोरी,साजिद मनिहार, जुनेद पठान,भदा भाई चौंगड,भुरसिंह सस्त्या गामपुर, रुमाल सोलंकी गांगपुर, नानुराम मंडलोई पिपलुद सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित हुए.

नगर वन परियोजना के संबंध में वस्तुस्थिति स्पष्ट

धार, 10 फरवरी 2026। प्रिंट मीडिया में 08 फरवरी 2026 को प्रकाशित समाचार 卐आठ हजार पौधों से ज्यादा सड़क-गेट निर्माण पर खर्च, पौधों को पानी देना भूले, नतीजा्र60 प्रतिशत पौधे सूखे卐 के संबंध में वन मंडलाधिकारी धार के निर्देशन में उप वन मंडल अधिकारी, सरदारपुर द्वारा जांच की गई। जांच में वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है।

नगर वन अंतर्गत कार्यों का शुभारंभ नवंबर 2023 में किया गया, जिसमें प्रथम वर्ष क्षेत्र तैयारी कार्य किए गए। पौधारोपण का कार्य वर्षा ऋतु में जून-जुलाई 2024 में किया गया। प्रवेश द्वार, सड़क एवं अन्य निर्माण कार्य स्वीकृत प्रोजेक्ट के अनुसार कराए गए हैं।

वर्ष 2024-25 में टैंकर से पौधों की नियमित सिंचाई की गई। वर्ष 2025-26 में 15 जनवरी 2026 को 25 केवीए ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। आगामी ग्रीष्मकाल में पौधों की सिंचाई विद्युत मोटर द्वारा पाइपलाइन से की जाएगी।

नगर वन उद्यान अंतर्गत प्रस्तावित बजट से परियोजना में सम्मिलित कार्यों हेतु राशि का उपयोग किया जा रहा है। वर्तमान में रोज गार्डन, कैक्टस गार्डन, बांस वन, पामेटम, बटरफ्लाई पार्क एवं बाल उद्यान जैसे कार्य नगर वन योजना अंतर्गत किए जा रहे हैं। परियोजना 5 वर्षीय है, जिसका वर्तमान में तृतीय वर्ष चल रहा है। आगामी दो वर्षों में सुरक्षा एवं समय पर किए जाने वाले तकनीकी कार्य सीमित राशि में ही कराए जाएंगे। इस पंचवर्षीय योजना का कुल स्वीकृत बजट ?2 करोड़ है।

वर्ष 2024 में सामूहिक वृक्षारोपण के दौरान जन जागरूकता के उद्देश्य से मुख्य अतिथियों से पौधारोपण कराया गया था, जिनकी स्मृति स्वरूप केवल 10 ट्री गार्ड लगाए गए। पिकनिक स्पॉट विकास अंतर्गत प्रदर्शनी भवन, 1.5 किमी लंबी नेचर ट्रेल, संस्कृति भवन, वाहनों हेतु 2 पार्किंग स्थल, 4 किमी से अधिक आंतरिक मार्ग, बैठने हेतु सीटिंग एरिया, सुरक्षा कर्मियों हेतु 3 चौकीदार हट, 2 टिकट घर, दोनों ओर 2 भव्य गेट, 1 वॉच टावर/व्यू प्वाइंट सहित अन्य आवश्यक कार्य कराए गए हैं।

पहाड़ी के ऊपरी भाग पर 1620 पौधों का रोपण किया गया

फेंसिंग कार्य वर्ष 2023 में पूर्ण हो चुका है। क्षेत्र में वन्यप्राणियों की बहुलता है, जिसमें नीलगाय (घोड़ारोज) की संख्या अधिक है। नीलगाय फेंसिंग को कूदकर भीतर आ जाती है, जिससे पौधों की कोमल पत्तियों एवं टहनियों को नुकसान पहुंचता है। इससे पौधों की वृद्धि धीमी होती है, किंतु पौधे नष्ट नहीं होते। वर्तमान में क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक पौधे जीवित हैं। शेष 30 प्रतिशत मृत पौधों का कैजुअल्टी रिप्लेसमेंट आगामी वर्षा ऋतु में किया जाएगा। समाचार में प्रदर्शित फोटोग्राफ वर्तमान स्थिति के नहीं होकर गूगल द्वारा ली गई सैटेलाइट इमेज पर आधारित प्रतीत होते हैं। फोटोग्राफ ऊंचाई से लिए गए हैं, जिससे पौधों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होती, जबकि वर्तमान में क्षेत्र में पत्तझड़ का मौसम चल रहा है। उक्त फोटोग्राफ में दर्शाया गया है कि पहाड़ी क्षेत्र में 8000 पौधे लगाए गए हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि पहाड़ी के ऊपरी भाग पर 1620 पौधों का रोपण किया गया है तथा शेष 6480 पौधे लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न समतल स्थानों पर लगाए गए हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुक्षी में प्रवेश हेतु आवेदन 25 फरवरी तक आमंत्रित

धार, 10 फरवरी 2026। प्राचार्य एकलव्य आदर्श आवासीय वि?द्यालय, कुक्षी ने बताया कि (ष्ठक्स्श्व, स्नस्नड्ढस्ब्रश्वष्ठ) में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा सातवीं एवं कक्षा नवमी में अंग्रेजी माध्यम में होने वाली रिक्त सीटों के विरुद्ध प्रवेश हेतु (केवल अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं हेतु) वि?द्यार्थियों की सूची (पैनल) तैयार की जानी है। इन सभी कक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा *श्वKLAVYA MODEL RESIDENTIAL SCHOOL LETERAL ENTRY TEST (EMRSLT)* का आयोजन 6 मार्च 2026 को विद्यालय में अपराह्न 2ः00 से 5ः00 बजे किया जायेगा। सीट रिक्त होने पर ही ह्वश्वस्ञ्र की *Admission Guidelines* के अनुसार मेरिट में आने वाले छात्र/छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा। आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2026 होगी।

प्रतिदिन होता है भगवान भोले का मनमोहक श्रृंगार

बाग - नगर के स्तिथ सांई सिटी कालोनी में श्री भगवान भोले के मंदिर में भगवान भोले का प्रतिदिन मनमोहक श्रृंगार पुजारी रमेश योगी द्वारा किया जा रहा है । पुजारी योगी ने बताया की अलग अलग तरह का मनमोहक श्रृंगार भगवान भोले का प्रतिदिन किया जाता है । साथ ही आरती और प्रसादी का वितरण भी किया जाता है ।कालोनी के महिला पुरुष बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल होकर आरती एवं प्रसादी का लाभ लेते हैं ।

एक नजर में ▶ फेयरवेल भावनाओं का नहीं, दिखावे और उन्माद का उत्सव बन गया है

फेयरवेल के नाम पर फूहड़ता : कौन जिम्मेदार है हमारे बच्चों के भविष्य का?

बाग - कक्षा 12 के बाद का फेयरवेल कभी संस्कार, संवेदना और आत्ममंथन का प्रतीक हुआ करता था। यह वह क्षण था जब विद्यार्थी अपने विद्यालय, शिक्षकों और अनुशासन को नमन कर जीवन की अगली यात्रा के लिए तैयार होते थे। लेकिन आज वही फेयरवेल एक ऐसी विकृत संस्कृति में बदल चुका है, जो न केवल शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि पूरे समाज की चेतना को झकझोर देने वाली है।

आज का फेयरवेल भावनाओं का नहीं, दिखावे और उन्माद का उत्सव बन गया है। तेज ष्ठछ्व, सड़कों पर खुली गाड़ियाँ, उन्मुक्त और अशोभनीय नृत्य, सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़—यह सब किसी परिपक्व नागरिक के नहीं, बल्कि दिशाहीन और अपरिपक्व मानसिकता के लक्षण हैं। यह वही उम्र है जहाँ बच्चों को जीवन के लक्ष्य, संघर्ष, अनुशासन और आत्मसंयम की शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, लेकिन हम उन्हें उत्तेजना, शोर और भ्रम परोस रहे हैं।

सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि इस पतन को रोकने वाले स्तंभ—विद्यालय और अभिभावक—खुद इस प्रवृत्ति के सहभागी बनते जा रहे हैं। विद्यालय, जो कभी चरित्र निर्माण के मंदिर थे, आज कई जगह 卐स्टूडेंट सैटिस्फैक्शन卐 के नाम पर एक व्यवसायिक मॉडल बन चुके हैं। बच्चों को खुश रखने के लिए नियमों को तोड़ा जा रहा है, मर्यादा को ढीला किया जा रहा है और भविष्य की चिंता को दरकिनार किया जा रहा है। अभिभावक भी यह कहकर अपने दायित्व से मुक्त हो जाते हैं—बच्चे खुश हैं।

लेकिन यह प्रश्न कोई नहीं पूछता कि क्या यह खुशी उन्हें मजबूत बना रही है या खोखला? क्या यह आनंद उन्हें जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है या केवल भीड़ का हिस्सा बना रहा है?

याद रखना होगा

बच्चों को जो आज अच्छा लगता है, वह हमेशा उनके लिए अच्छा नहीं होता। एक सर्जन भी ऑपरेशन करते समय मरीज को कष्ट देता है, लेकिन उद्देश्य जीवन बचाना होता है। पालन-पोषण और शिक्षा भी वही जिम्मेदारी है—तात्कालिक सुख नहीं, दीर्घकालीन भविष्य। युवा पीढ़ी को यह सिखाना होगा कि स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं। आनंद का अर्थ अनुशासनहीनता नहीं। और आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को काट देना नहीं। फेयरवेल ऐसा होना चाहिए जहाँ आत्मसम्मान हो, आत्मचिंतन हो, और आगे बढ़ने की स्पष्ट दिशा हो। जहाँ मंच से ष्ठछ्व नहीं, जीवन के अनुभव गूंजें। जहाँ तालियों की जगह आशीर्वाद हों। और जहाँ विदाई केवल विद्यालय से नहीं, बल्कि बचपने से परिपक्वता की ओर हो। आज समाज को यह कठोर लेकिन आवश्यक निर्णय लेना होगा—हम बच्चों को ग्राहक नहीं, उत्तरदायी नागरिक बनाना चाहते हैं। यदि आज हमने आँखें बंद रखीं, तो कल यही पीढ़ी हमें प्रश्नों के कटघरे में खड़ा करेगी। यह केवल लेख नहीं, एक चेतावनी है। एक आह्वान है। और एक अंतिम अवसर है— सोच बदलने का, दिशा बदलने का। डॉ. करुणेश सुनीता रघुवंशी,शिक्षाविद, प्रेरक वक्ता,पेरेंटिंग कोच, कवि, लेखक, सामाजिक चिंतक निदेशक ङ्क महेश मेमोरियल पब्लिक स्कूल, बाग